वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 78 शुक्रवार 12 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

दो दिगंबर जैन मुनि संघों का हुआ मिलन

ऊर्जयन्त सागर मुनिराज का वर्षायोग 2024 में हुआ मंगल प्रवेश

जयपुर. कासं। चातुर्मास 2024 की स्थापना तिथि जैसे जैसे निकट आ रही है वैसे ही दिगंबर जैन संतो को विहार चातुर्मास स्थलों की ओर तीव्रता से हो रहा है और चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश का क्रम भी अनवरत जारी है, इसी कड़ी में गुरुवार को दो दिगंबर जैन संत संघ का विहार के दौरान मिलन हुआ। पूज्य उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर महाराज वर्षायोग समिति के अध्यक्ष कमलेश बावड़ी ने बताया कि आज उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर मुनिराज ससंघ जय जवान कालोनी से विहार कर रहे थे, वही पूज्य मुनि समत्व सागर महाराज ससंघ गायत्री नगर से विहार कर रहे थे, दोनो संघो का महा मिलन चन्द्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर दुगार्पुरा पर हुआ, इस अवसर पर मुनि समत्व सागर महाराज ससंघ ने उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर मुनि के नेतृत्व में शोभायात्रा का आयोजन हुआ, शोभायात्रा में हाथी, घोड़े, ऊंट, बग्गी सहित अनेक बैंडो के साथ भारी लवाजमा और हजारों लोगों उपस्थित रहें, समिति संयोजक बाबू लाल ईटून्दा के अनुसार शोभायात्रा राज की मंगल आगवानी की और त्रिप्रक्रमा कर नमोस्तु ज्ञापित किया, इस मौके पर उपस्थित जन समुदाय ने गगनचुंबी जय घोष लगाए, संपूर्ण वातावरण धर्ममय बना, दोनो संघो ने उपस्थित सामजजनो को आशीर्वचन दिया। वर्षायोग समिति के मुख्य संयोजक जिनेन्द्र गंगवाल जीतू ने बताया कि कल शुक्रवार को उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर मुनिराज का चातुर्मास हेतु प्रताप नगर सेक्टर 8 जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा, मंगल प्रवेश शोभायात्रा हल्दीघाटी गेट टोंक रोड से सुबह मार्ग में जगह जगह उपाध्याय की मंगल आगवानी देंगी। शोभायात्रा में शांतिनाथ दिगंबर जैन युवा मंडल, महिला मंडल, धर्म जागृति महिला मंडल, विशुद्ध वर्धिनी बहु कला मंडल सहित जयपुर शहर के अनेक मंडलों के कार्यकर्ता अपना सहयोग देंगे। शोभायात्रा मार्ग पर 31 स्वागत द्वार बनाए गए हैं, शोभायात्रा शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रताप नगर सेक्टर 8 पहुंच धर्म सभा में परिवर्तित होगी। वहां उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर मुनिराज समाजजनों को संबोधित करेंगे।

बजट घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक

बजट घोषणाओं को समय से धरातल पर उतारने का एक्शन प्लान तैयार—प्रभारी सचिव और प्रभारी मंत्री 12 जुलाई से 14 जुलाई तक अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा करेंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया

विधानसभा में परिवर्तित बजट 2024-25 प्रस्तुत किए जाने के दूसरे दिन ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंत्रियों और विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों की बैठक लेकर बजट घोषणाओं का तेजी के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का एक्शन प्लान बताया। मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार बजट घोषणाओं को समय पर पूरा करने के लिए प्रभारी सचिव और प्रभारी मंत्री अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा करेंगे।

प्रभारी सचिव और प्रभारी मंत्री रहेगें जिलों के दौरे पर

मुख्यमंत्री कार्यालय में गुरुवार देर शाम आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रभारी सचिव 12 जुलाई को दोपहर से अपने प्रभार वाले जिलों में जाकर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक बाधाओं को चिन्हित करेंगे। साथ ही, भूमि चिन्हीकरण और आवंटन को गति देने का भी काम करेंगे। प्रभारी मंत्री 14 जुलाई को जिलों में प्रभारी सचिवों के साथ इस सम्बन्ध में हुई प्रगति की जानकारी लेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जनकल्याण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए संभावित बाधाओं को तत्काल दूर कर बजट घोषणाओं को समय से धरातल पर उतारना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इन घोषणाओं से संबंधित कार्य किसी भी स्तर पर लंबित नहीं रहना चाहिए ताकि आमजन को सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सभी मंत्री हर 15 दिन के अंतराल पर अपने विभाग की बजट घोषणाओं पर हुई प्रगति की विभागीय

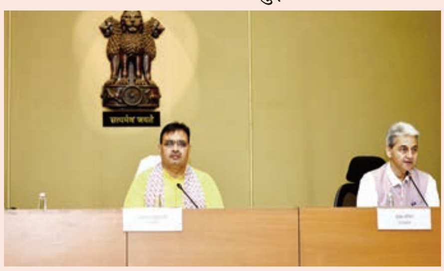

स्तर पर समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार विलम्ब नहीं हो, क्योंकि इससे लागत में वृद्धि होती है। उन्होंने विकास कार्यों के लिए भूमि आवंटन में तेजी लाने, लंबित भर्तियों की प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ करने सहित अन्य जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित मंत्रिगण ने बैठक में बजट घोषणाओं की त्वरित क्रियान्विति और रिक्त पदों पर भर्तियों को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, मंत्रीगण, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आचार्य विद्यासागर महाराज थे त्याग की अनुपम विभूति

सनावद. शाबाश इंडिया। परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का 57 वॉ मुनि दीक्षा दिवस श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं पार्श्व ज्योति मंच द्वारा गुरुवार को मनाया गया।समाज के प्रियम जैन ने बताया कि श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्री जी के जलाभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजा के बाद श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की पूजन तथा अर्घ्य समर्पित कर भावांजलि समर्पित की।समाजसेवी कमलेश भूच, मंजुला भूच, हीरामणि भूच, संगीता बाकलीवाल, मंजू पाटनी,चंचला पहाड़िया ने आचार्य श्री के चित्र के समक्ष नमोस्तु कर विनय भाव व्यक्त किया। पार्श्व ज्योति मंच द्वारा आचार्य श्री के चित्र के समक्ष णमोकार मंत्र के सामूहिक पाठ के बाद डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि मुनि दीक्षा तथा आचार्य बनने के बाद आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने मुनि चर्या का निर्दोष पालन किया तथा बाहरी आडंबरों से सर्वथा दूर रहकर त्याग मार्ग का अनुपम उदाहरण पेश किया। धीरेंद्र बाकलीवाल, सलित जैन, देवेंद्र पहाड़िया, संतोष जैन, शुभम जैन, विजय जैन, संध्या जैन, प्रिया जैन, वीनस जैन ने भी मुनि दीक्षा पर श्रद्धा भाव के साथ मुनि जी का स्मरण किया।

पर्यावरण जागरूकता के तहत पेड़ पौधे लगाए गए

जियाबेरी. शाबाश इंडिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जियाबेरी और भारती एयरटेल फाउंडेशन के क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के अंतर्गत में पर्यावरण जागरूकता के ऊपर सभी विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा में जानकारी दी गई। इको क्लब के तहत प्रेसिडेंट और सेक्रेटरी विद्यार्थियों ने सभी शिक्षकों के साथ विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया और इन पौधों की देखभाल के लिए शपथ ली। प्रार्थना सभा में छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा कविताएं सुनाई गई और लघु नाटकों के द्वारा पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ पौधों को लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। प्रधानाचार्य रामदेव सिंह चौधरी ने इको क्लब के विद्यार्थियों द्वारा आज की गतिविधियों में जो लीडरशिप दिखाई गई उसके लिए विद्यार्थियों की काफी प्रशंसा की और निरंतर सभी गतिविधियों में ऐसे ही विद्यार्थियों में जिम्मेदारी लेने का एहसास उत्पन्न हो सके। विशेषतः उमा चौधरी, संतोष पवार, मोहन सिंह, गणपत सिंह, विनती कौशिक, महिपाल शर्मा, रिंकू दास, इला व्यास, प्रेम सिंह एवं मनोहर सिंह जी ने स्लोगन से लिखी तख्तियों के माध्यम से इस पर्यावरण जागरूकता में काफी उत्प्रेरक का काम किया ।

जीवन में जैसी मति होती है वैसी गति होती है

जीवन में यश कीर्ति सबसे कीमती है

कोटा. शाबाश इंडिया

जीवन भले ही साधारण हो परंतु विचार उच्च रहना चाहिए। विचारो का जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है कहा भी गया है जैसी मति वैसी गति। जीवन में यश कीर्ति सबसे बड़ा आभूषण है।यश के श्रगार के सामने दुनिया के सारे श्रगार फीके है। उक्त उदगार श्रुत संवेगी मुनि आदित्य सागर जी महाराज ने कुन्हाड़ी रिद्धी सिद्धि नगर स्थित श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित विशाल धर्मसभा में व्यक्त किए। धर्मसभा में मंगल दीपप्रज्वलन डॉक्टर सुधीर जैन लड्डू भैया इंदौर ने किया। गुरदेव के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य तारा चंद बडला एवम राजकुमार पाटनी ने प्राप्त किया। धर्मसभा का सफल संचालन संजय जैन ने किया। मुनि श्री ने आगे कहा कि तप त्याग संयम को धारण करने से भी यश बढ़ता है।जीवन में संगति बहुत सोच विचार कर करनी चाहिए जिस निमित से भाव खराब हो यश समाप्त हो उसको तुरंत छोड़ देना चाहिए। संसार में राम का यश फेला और रावण का अपयश फेला।संसार प्रतिक्रिया मात्र है जो दोगे वही मिलेगा। बंबूल बोने पर आम के फल नहीं मिलेंगे।

रिपोर्ट : पारस जैन पार्श्वमणि

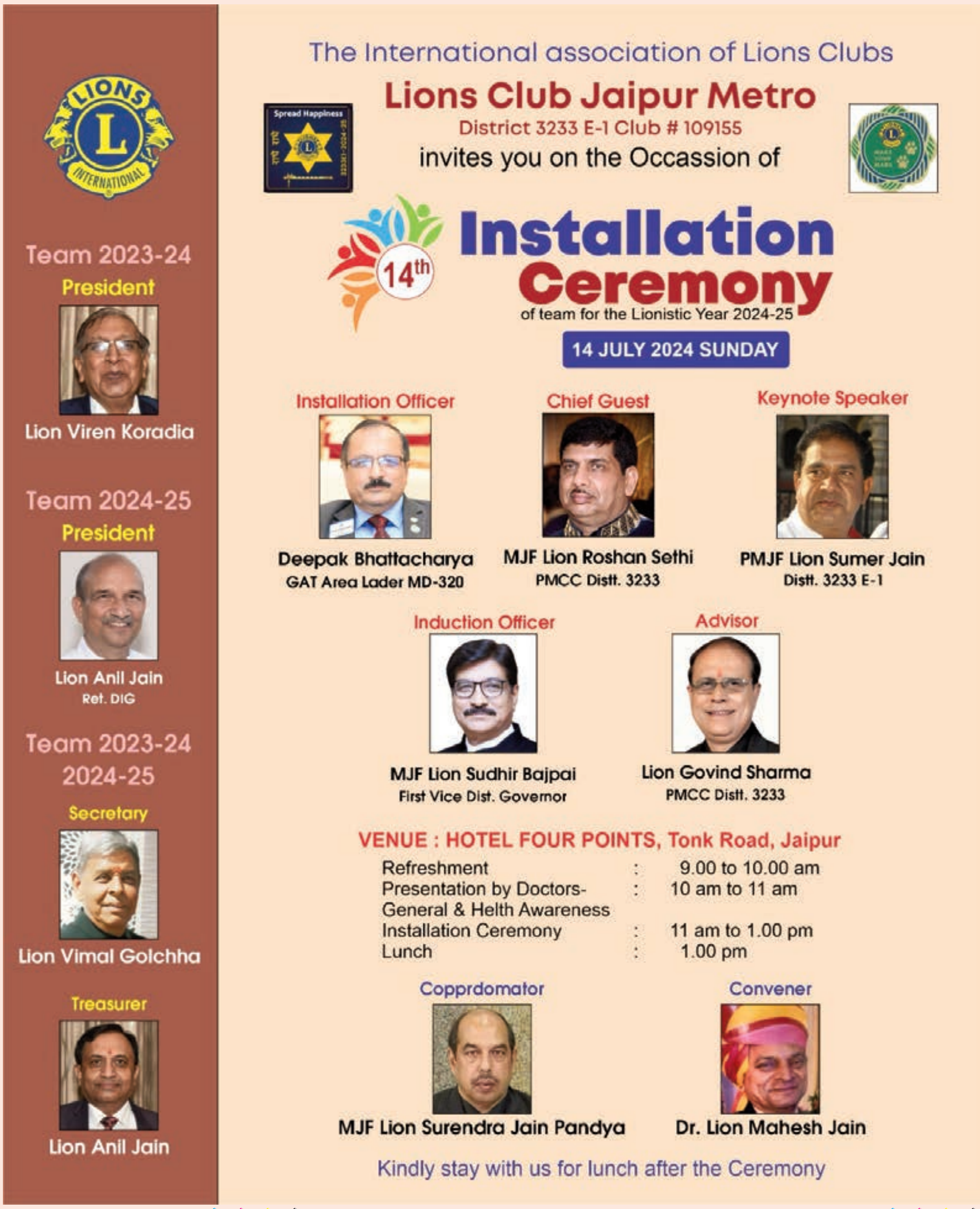

उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज एवं मुनि श्री 108 समत्व सागर जी मुनिराज का हुआ मिलन

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुरुवार दिनांक 11.07.2024 को सायंकाल 5 बजे परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महामुनिराज के अंतिम दीक्षित उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज ससंघ का एवं परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महामुनिराज के शिष्य मुनि श्री 108 समत्व सागर जी मुनिराज एवं श्री 108 शील सागर जी मुनिराज का महा मिलन बस स्टैंड दुगार्पुरा जयपुर पर जयकारों के साथ हुआ। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुगार्पुरा जयपुर के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि दुगार्पुरा जैन समाज, गायत्री नगर, सिद्धार्थ नगर, जय जवान कालोनी, कीर्ति नगर, जनकपुरी, चित्रकूट, प्रताप नगर सहित जयपुर जैन समाज के सभी श्रद्धालु बस स्टैंड दुगार्पुरा जयपुर पर पहुंचकर उपाध्याय श्री की एवं मुनि संघ की अगवानी दुगार्पुरा मंदिर के लिए भक्ति भाव से कर सभी महामिलन के साक्षी बने। दुगार्पुरा बस स्टैंड से दुगार्पुरा मंदिर जी तक बैंड बाजे की मधुर धुन के साथ पद विहार में साथ रहकर संघ के दर्शन कर धर्म लाभ लिया। मंदिर की पहुंचने पर महिला मंडल ने मंगल कलश से उपाध्याय संघ एवं मुनि संघ का स्वागत किया। ट्रस्ट कमेटी ने पाद प्रक्षालन कर आरती की। तत्पश्चात धर्म सभा में उपाध्यक्ष श्री और मुनि श्री के आशीर्वचन हुए।

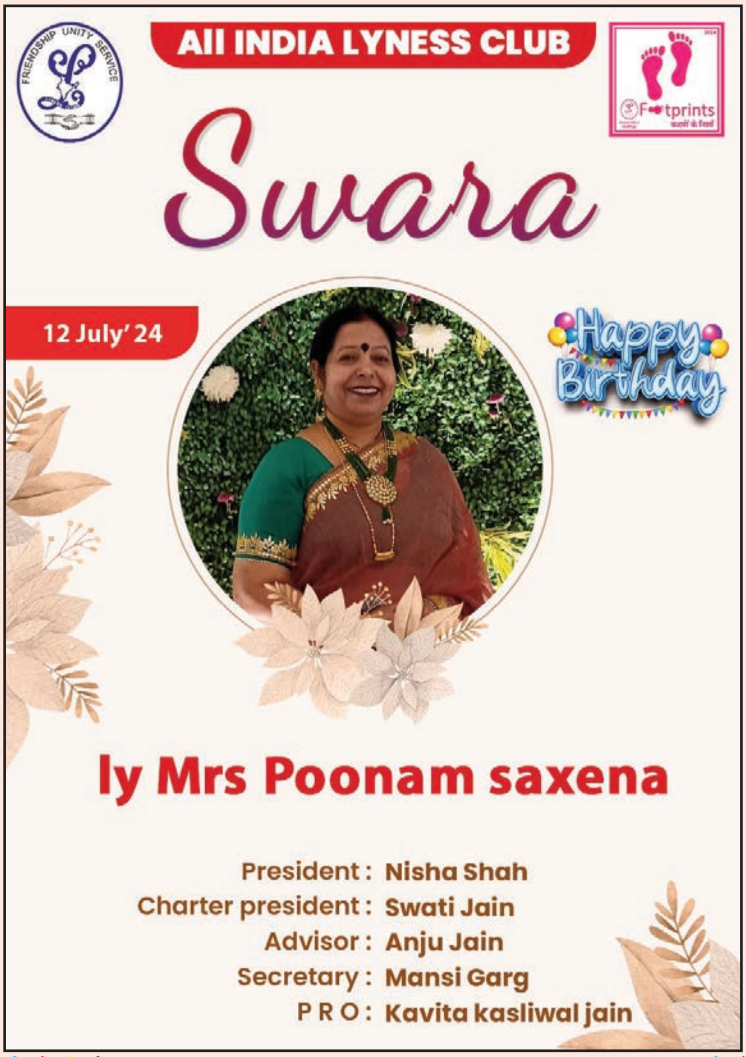

आचार्य श्री विद्यासागर जी का 57वां दीक्षा दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन मंदिर जनकपुरी ज्योतिनगर में आचार्य विद्यासागर जी के दीक्षा के 56 वर्ष पूर्ण होने पर 57वें दीक्षा दिवस पर मन्दिर जी में आचार्य श्री जी की पूजन कर अर्घ्य समर्पित किया गया।

बजट में आम जन का ध्यान : सुरेन्द्र कुमार जैन पांड्या

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री व मार्बल निर्यातक सुरेन्द्र कुमार जैन ने बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वित्त मंत्री दीया कुमारी ने आज अपना बजट पेश किया यह आज के परिपेक्ष्य में आने वाले 5 साल को ध्यान में रखते हुए पेश किया है। बजट में आम जन का ध्यान रखा है। जल, परिवहन, सड़क, इंफ्रास्ट्रक्चर व पर्यटन पर विषेष ध्यान दिया गया है, जिससे रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। पर्यटन को बढ़ावा देने पर बाहर से प्रदेश में टूरस्टि आएंगे और रोजगार के साथ ही व्यापार को और बढ़ावा मिलेगा। लेकिन इस बजट में उद्योगों में विशेष ध्यान नहीं दिया उन्हें इस बजट में कुछ नहीं दिया।

वेद ज्ञान

निज स्वरूप आत्मा

सर्वप्रथम हम परमेश्वर से उत्पन्न होकर पूर्ण विशुद्ध थे। जैसे-जैसे ब्रह्मांड की रचना होती गई, आत्मा पर आवरण चढ़ता गया। सभी आत्माएं माया जाल में लिपटती गईं। जब जगत का विस्तार होता है तब जीवों की संख्या बढ़ती है। और जब जनसंख्या बढ़ती है तब जटिलताएं बढ़ने लग जाती हैं और फिर जटिलताओं में जीने के लिए नियमों का गठन होता है। सभी के जीने लायक नियम प्रतिपादित किए जाते हैं। हम सभी सत्य से दूर होकर आडंबर और कृत्रिमता में बंध जाते हैं। कृत्रिमता में बंधने के कारण दुख का प्रादुर्भाव होने लगता है। फिर उस दुख में सुख की खोज होने लगती है। सर्वप्रथम जीव इसलिए सुखी था, क्योंकि वह पवित्र और विशुद्ध था। अब वह स्वयं को भूल गया है, परंतु कहीं गहराई में वही प्राचीन विस्मृत हुई सुख की अनुभूति विद्यमान रहने के कारण वह स्वयं को सुखी करने के लिए सतत प्रयत्नशील रहता है। मार्ग न मिलने के कारण मानव वहां सुख की खोज करता है, जहां सुख है ही नहीं। मनुष्य चावल के भूसे से दाना निकालने की तरह सुख ढूंढ़ने का प्रयास करता है। जैसे भूसे में दाना नहीं होता, उसे बेकार में कूटकर कूछ न मिलने से मनुष्य दुखी होता है। वैसे ही जीव सुख तलाशने का प्रयास करता है, परंतु भूसे में दाना न मिलने की भांति यहां तो सुख है ही नहीं। मानव सुख की लालसा पाल कर और अधिक दुख मोल ले लेता है। इस प्रकार जगत की माया में उलझा हुआ जीव सुबह सूर्योदय से लेकर रात्रि सोने के समय तक अपने कार्यों में रत होकर एक दिन का चक्र पूरा करता है। फिर सप्ताह, माह व वर्षवार के चक्र को पूरा करता हुआ जीवन के जाल में फंसा ही रहता है। वह इससे उबर नहीं पाता। इस चक्रव्यूह में फंसकर वह अपने जीवन का अंत कर लेता है। संत कबीर की वाणी से हम इसको समझ सकते हैं। वे समझाते हुए कहते हैं, माया मरी न मन मरा, मर मर गए सरीर, आशा तृष्णा न गई यों कहें दास कबीर। इसी सुख-दुख के चक्र में उलझा हुआ मनुष्य अपने निज आनंद स्वरूप को भुला बैठा है। वह भौतिक शरीर को ही अपना सच्चा स्वरूप मानकर प्राण शक्ति को सांसारिक कार्यों में लगाकर जीवन शक्ति को खर्च कर डालता है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन की वजह से भविष्य में पानी घटेगा

देशभर में भू-जल के स्तर में आ रही कमी को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जा रही है। हालत यह है कि देश के कई इलाकों में पीने के पानी तक की जरूरत को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। मगर इस चुनौती से निपटने के नाम पर अब तक कोई ठोस पहलकदमी नहीं दिखती है। अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) गांधीनगर के एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि वर्ष 2002 से लेकर 2021 तक लगभग 450 घन किलोमीटर भूजल घट गया है और निकट भविष्य में जलवायु परिवर्तन के कारण इसकी मात्रा में और गिरावट आएगी। अध्ययन के दौरान यह भी पाया गया कि पूरे उत्तर भारत में 1951-2021 की अवधि के दौरान मानसून की बारिश में 8.5 फीसद की कमी आई है और सर्दियों में तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। यानी औसत बारिश का आंकड़ा और भू-जलस्तर दोनों में कमी आ रही है। अगर यही स्थिति बनी रही तो भविष्य में पेयजल संकट की कल्पना ही की जा सकती है। यह तय माना जा रहा है कि मानसून में कम बारिश होने और सर्दियों में तापमान बढ़ने के कारण सिंचाई के लिए पानी की मांग बढ़ेगी। इस कारण उत्तर भारत में पहले से ही कम हो रहे भूजल संसाधन पर और अधिक दबाव पड़ेगा। गौरतलब है कि भू-जल पुनर्भरण का काम बरसात, तालाब और झीलों के जरिए

भी होता है। मगर जलशक्ति मंत्रालय की वर्ष 2023 की एक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में हजारों तालाब गायब हो चुके हैं। कहीं तालाबों की जमीन पर अतिक्रमण कर ढांचे खड़े कर दिए गए हैं तो कहीं देखरेख के अभाव में तालाब और झील पूरी तरह सूख गए हैं। ऐसे में जरूरी है कि तालाबों और झीलों को पुनर्जीवित करने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान शुरू किया जाए। हालांकि, कई राज्यों में इसको लेकर योजनाएं शुरू की गई हैं, लेकिन इनका कोई ठोस परिणाम अभी तक सामने नहीं आया है। कुछ राज्यों में भू-जल निकालने पर प्रतिबंध है, इसके बावजूद चोरी-छिपे यह काम जारी है। ऐसे लोगों पर शिकंजा कसने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त करना होगा। इसके अलावा वर्षाजल के संग्रहण और पानी के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने पर भी गंभीरता से विचार करना होगा, ताकि भू-जल पर निर्भरता को कम किया जा सके।

परिदृश्य

सुप्रीम फैसला

सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश व्यापक प्रभाव वाला है कि तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं भी पति से भरण-पोषण यानी गुजारा भत्ता पाने की अधिकारी हैं। यह इसलिए एक बड़ा और बेहद महत्वपूर्ण निर्णय है, क्योंकि इसके माध्यम से सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी सरकार की ओर से उठाए गए एक गलत कदम का प्रतिकार करने के साथ ही मुस्लिम महिलाओं को न्याय देने का काम किया है। एक तरह से इस निर्णय के जरिये सुप्रीम कोर्ट ने यही रेखांकित किया कि बहुचर्चित शाहबानो मामले में उसकी ओर से दिया गया फैसला सर्वथा उचित एवं संविधानसम्मत था और राजीव गांधी सरकार ने उसे पलट कर सही नहीं किया था। ज्ञात हो कि शाहबानो पर सुप्रीम कोर्ट का 1985 का फैसला भी गुजारा भत्ता से संबंधित था, लेकिन मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति के चलते राजीव गांधी सरकार ने इस फैसले को पलट दिया था और 1986 में कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों के दबाव में आकर उनके मन मुताबिक और शरिया के अनुकूल मुस्लिम महिला अधिनियम बनाया था। इस

अधिनियम का एकमात्र उद्देश्य मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों का हनन करना था। अब सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह अधिनियम किसी पंथनिरपेक्ष कानून पर हावी नहीं होगा और तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं गुजारा भत्ता के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल यही नहीं कह रहा कि अलग-अलग समुदाय की महिलाओं को भिन्न-भिन्न कानूनों से संचालित नहीं किया जा सकता, बल्कि समान नागरिक संहिता की आवश्यकता भी जता रहा है। इसी के साथ यह भी संदेश दे रहा है कि देश के लोग संविधान से चलेंगे, न कि अपने पर्सनल कानूनों से, वे चाहे जिस पंथ-मजहब के हों। यह अपेक्षा अनुचित नहीं कि विपक्षी दलों के वे नेता सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की प्रशंसा करने के लिए आगे आएं, जो पिछले कुछ समय से संसद के भीतर-बाहर संविधान की प्रतियां लहराकर यह दावा करने में लगे हुए हैं कि उन्होंने उसकी रक्षा की है और वे उसे बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यदि संविधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सच्ची है तो उन्हें इस फैसले का स्वागत करना ही चाहिए। इसकी भरी-पूरी आशंका है कि इस फैसले से कुछ मुस्लिम संगठन असहमति जताने के साथ उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दें। पता नहीं वे क्या करेंगे, लेकिन राहत की बात यह है कि इस समय केंद्र में मोदी सरकार है, न कि तथाकथित सेक्युलरिज्म की दुहाई देने वाली कोई सरकार। यह सही समय है कि मोदी सरकार समान नागरिक संहिता लागू करने के अपने वादे को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़े। इसका कोई औचित्य नहीं कि देश में अलग-अलग समुदायों के लिए तलाक, गुजारा भत्ता, उत्तराधिकार, गोद लेने आदि के नियम-कानून इस आधार पर हों कि उनका उनका पंथ-मजहब क्या है?

एक करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लेकर चल रहे आचार्य श्री

वृक्ष है तो जीवन है अतः वृक्ष लगाएं और वृक्षों को अपने परिवार का सदस्य बनाएंः आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। वर्तमान समय में नगर में विराजमान जैन संत तपोभूमि प्रणेता आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज ने संकल्प लेते हुए 10 अप्रैल को भक्तों के सामने घोषणा करते हुए कहा कि अब से मेरी पद यात्रा पर्यावरण संकल्प यात्रा होगी। प्रज्ञा सागर महाराज ने मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित तपोभूमि में एक पौधा लगाकर अपनी यात्रा की शुरूआत की। प्रज्ञा सागर महाराज ने बताया कि लगातार बढ़ते हुए तापमान को देखते हुए जब इसके कारण की खोज की तब यह पता चला कि बढ़ते हुए तापमान का सबसे बड़ा कारण है लगातार पेड़ों की संख्या कम होना, जंगलों का काम होना नवनिर्माण से फैला हुआ प्रदूषण आदि कारणों से तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। यह सब जानने के बाद ज्ञात हुआ कि इस देश को लगभग 400 से 500 करोड़ पेड़ो की आवश्यकता है। तब जाकर तापमान में गिरावट आएगी। अगर लगातार इसी तरह पेड़ों की संख्या दिन प्रतिदिन घटती गई तो मानव जाति खतरे में पड़ जाएगी।

तपोभूमि से पर्यावरण यात्रा की शुरूआत की

आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज ने मध्य प्रदेश स्थित तपोभूमि से अपनी पर्यावरण यात्रा की शुरूआत की महाराज ने 17 अप्रैल को तपोभूमि में प्रातः 5 बजे एक पौधा लगाकर इस यात्रा की शुरूआत की और अपनी पर्यावरण यात्रा में एक करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लेते हुए सभी से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की। पर्यावरण संरक्षक की रूपरेखा तैयार करते हुए वृक्षारोपण संकल्प पत्र बनवाए गए। जिनकी सहायता से सभी पर्यावरण प्रेमियों व आमजन को जागरुक कर लक्ष्य को जल्द से जल्द प्राप्त कर सके। आचार्य श्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षक के लिए प्रयास व्रत रहते हुए आने वाले 5 सालों में करीब 50 हजार संकल्प पत्र भरवा कर जल्द से जल्द इस लक्ष्य को हासिल करना ही प्राथमिकता रहेगी।

राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षक संवर्धन समिति का किया गठन

चिड़ावा। 16 अप्रैल को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज के दर्शन करने तपोभूमि पहुचे। जहां महाराज श्री और मध्य प्रदेश के सीएम के बीच पर्यावरण के संबंध में चर्चा हुई। इस चर्चा में प्रज्ञा सागर महाराज ने पर्यावरण को लेकर अपनी चिंता उनके सामने रखी। चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने आचार्य श्री के पर्यावरण संरक्षक अभियान में उनके साथ होने की बात कहते हुए कहा कि सरकार भी कई तरह के प्रयास कर रही है। जिससे पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके और अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाए जाए सके। इसके बाद राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षक संवर्धन समिति का गठन आचार्य श्री द्वारा किया गया। जिसका अध्यक्ष भी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को नियुक्त किया गया।

पिड़ावा में शुक्रवार का दिन रहेगा पर्यावरण संरक्षक दिवस

आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज के प्रयास से पिड़ावा में सोयत मार्ग पर स्थित कृषि उपज मंडी के पीछे एक ही दिन में सर्व धर्म सभा, पर्यावरण यात्रा व वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस अद्भुत, अकल्पनीय, अविश्वसनीय आयोजन का साक्षी पूरा नगर रहेगा। 6 जुलाई को इसी तरह का आयोजन आचार्य श्री द्वारा मध्य प्रदेश के सुसनेर नगर में भी किया गया था। जहां 1008 पौधों का एक साथ रोपण किया गया था। इसी तरह पिड़ावा नगर में भी 1008 पौधो का रोपण शुक्रवार को आचार्य श्री के सानिध्य में किया जाएगा। आचार्य श्री से प्रेरित होकर सुसनेर की आमजन ने 20 हजार वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया था। पर्यावरण संरक्षण महाअभियान के अंतर्गत आचार्य 108 श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज के सानिध्य में पर्यावरण संरक्षण महाअभियान के अंतर्गत विशाल वृक्ष यात्रा जैन जूना मंदिर से प्रारंभ होगी। जो नगर का भ्रमण करते हुए कृषि उपज मंडी परिसर में पहुंचेगी। जहां सर्व धर्म सभा होगी और उसके बाद 1008 वृक्ष लगाए जायेंगे। नगर पालिका पिड़ावा के सहयोग से सारी व्यवस्थाएं पूर्ण करली गई है। जिसमे सभी संस्थाओं का सहयोग मिल रहा है। यह महाअभियान हमारा लक्ष्य एक करोड़ वृक्ष के तहत आयोजित किया जा रहा है। सर्व समाज का यह कार्यक्रम पिड़ावा के इतिहास में पहली बार आयोजित किया जा रहा है ।यह वृक्ष यात्रा ठीक ढेड़ बजे खंडूपुरा जैन मंदिर से प्रारंभ होगी जो कृषि उपज मंडी में जाकर सभा में परिवर्तित हो जायेगी।

विश्व शांति महायज्ञ के साथ संपन्न हुआ दो दिवसीय वेदी निष्ठापन महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ आचार्य श्री मेरूभूषण जी महाराज के आशीर्वाद से भव्य मंदिर जीर्णोद्धार हेतु निष्ठापन एवं अस्थाई विधि का आयोजन किया गयो यह आयोजन 10 जुलाई से आगरा के शाहगंज स्थित ज्योति नगर के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित हुए दो दिवसीय महोत्सव का समापन 11 जुलाई को विश्व शांति महायज्ञ के साथ हुओ महोत्सव के अंतिम दिन का शुभारंभ विधानचार्य पंडित विनोद जैन शास्त्री एवं सनंत कुमार जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में भक्तों ने श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा एवं नित्यमह पूजन के साथ किया इसके पश्चात सभी

इंद्र-इंद्राणियों ने हवन में आहुति देते हुए विश्व शांति महायज्ञ की कामना की इस दौरान मंदिर परिसर में भक्ति का वातावरण देखने को मिला इसके बाद विधानचार्य विनोद जैन शास्त्री एवं सह विधानचार्य सनंतकुमार जैन शास्त्री के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ सौभाग्य शाली परिवारों द्वारा सभी प्रतिमाओं को अस्थाई विधि पर पूरे समोशरण के साथ विधि विधान के साथ विराजमान किया गयो महोत्सव के समापन पर मंदिर कमेटी ने बाहर से आए सभी अतिथियों का माल दुपट्टा एवं तिलक लगाकर स्वागत सम्मान कियोइस अवसर पर मंदिर के अध्यक्ष प्रहलाद जैन,महामंत्री जितेंद्र जैन,हरिओम जैन,विमल जैन,दिनेश जैन अशोक जैन,सुशील जैन,मनीष जैन निखिलेश जैन,रवि जैन,पवन जैन,डीके जैन, सुनील जैन ठेकेदार,राकेश जैन पर्देवाले,राहुल जैन,विजय जैन निमोरब,अशोक जैन,पवन जैन,अनिल जैन,राजेंद्र जैन,अजीत जैन,सुरेंद्र जैन किशनचंद जैन,बाबूलाल जैन,राकेश जैन,समस्त ज्योति नगर अर्जुन नगर वर्धमान नगर,इंद्रा कॉलोनी की जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। रिपोर्ट : विमल जैन

एक पेड़ मां के नाम अभियान के साथ अग्रवाल डायमंड जुड़ा

कोटा. शाबाश इंडिया। अग्रवाल डायमंड ने सामाजिक सरोकार एवं पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए नई शुरूआत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा से शुरू किए गए अभियान से अपने संस्थान को जोड़ा है। अधिक जानकारी देते हुए अग्रवाल डायमंड के निदेशक एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन कोटा के महासचिव ओम जैन सर्राफ एवं माधुरी जैन सर्राफ ने बताया कि इस अभियान के तहत अग्रवाल डायमंड के प्रत्येक विजिटर को एक पौधा मुफ्त में दिया जा रहा है। इस कड़ी में आज शोरूम पर कई महिलाओं एवं पुरुषों को यह पौधा दिया गया। जैन दंपति ने यह भी बताया कि पौधा लेने वाले सभी व्यक्तियों को पौधे के संरक्षण हेतु उचित टी गार्ड भी देने के भरपूर प्यास किए जाएंगे। इसके लिए सरकारी महकमों से वार्ता की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि अग्रवाल डायमंड ने काफी मात्रा में पौधे बारिश रहते लोगों को देने एवं लगाने का बीड़ा उठाया है। जैन दंपति ने आगे बताया कि पौधा देने एवं उसको लगाने एवं संरक्षित हेतु लोगों को प्रेरित करके, यह अभियान प्रतिवर्ष चलता रहेगा।

जे के ए आर ई फाउण्डेशन के तत्वावधान में हुआ 51 यूनिट रक्त एकत्रित

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। जे के ए आर ई फाउण्डेशन जयपुर के तत्वावधान में प्रथम स्वेच्छिक रक्तदान शिविर एवं प्रतिभा सम्मान समारोह दिनांक 11 जुलाई को यादव गार्डन कोटखावदा में आयोजित हुआ। शिविर प्रातः 8 बजे से 5 बजें तक आयोजित किया गया। फाउण्डेशन व्यवस्थापक जितेन्द्र डोबला ने बताया कि डॉ अभिषेक मीणा के नेतृत्व में शिविर में 51 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। वरिष्ठ अतिथि के रूप में श्रवण गुर्जर, प्रधान प्रहलाद मीणा पंचायत समिति कोटखावदा, कजोड चौधरी, कोटखावदा सरपंच मख्खन लाल बडगुर्जर, रामनगर सरपंच बनवारीलाल शर्मा, राडोली सरपंच रमेश मीणा, डॉ रामजीलाल यादव अध्यक्ष यादव समाज जयपुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं सत्यम ब्लड सेंटर द्वारा रक्तदाताओं को माला व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा
जैन सिटीजन फाउंडेशन की प्रेरणा से
वाटर कूलर शुभारंभ एवं पौधा वितरण
शुक्रवार 12 जुलाई
प्रातः 9.30 बजे
स्थानः श्री दिगंबर जैन महावीर बालिका विद्यालय, चुरुको का रास्ता, एसबीआई बैंक की गली, चौड़ा रास्ता, जयपुर

मुख्य अतिथि
रोटे. श्री सुधीर जैन गोधा
संस्थापक अध्यक्ष जैन सिटीजन फाउंडेशन

अध्यक्षता
श्री प्रमोद जी पहाड़िया
प्रमुख समाज सेवी
अध्यक्ष जैन सिटीजन फाउंडेशन

दीप प्रज्वलनकर्ता
श्रीमान शैलेंद्र जी गोधा
सम्पादक दैनिक समाचार जगत

विशिष्ट अतिथि
श्री वीरेंद्र जी गोदिका
रिटायर्ड आईजी

पुण्यार्जक
श्रीमती गुणमाला देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री धूप चंद जी सोगानी, श्री मुकेश-संगीता सोगानी, श्री सुनील-लता सोगानी

...नोट...
इस अवसर पर उपस्थित सभी को एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत उपहार स्वरूप भेंट किया जायेगा।

निवेदक
मनीष-शोभना लोंग्या, अध्यक्ष
राकेश-समता गोदिका, संस्थापक अध्यक्ष
राजेश-रानी पाटनी, सचिव
दर्शन-विनीता बाकलीवाल, मुख्य समन्वयक
एवं समस्त दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति परिवार

जय भिक्षु | अर्हम् | जय महाश्रमण

आचार्य श्री महाश्रमण

चातुर्मासिक प्रवास

दिनांक :
15 जुलाई, 2024 से 15 नवंबर 2024

प्रतिदिन प्रवचन समय:
प्रात: 9 से 11.30

स्थल :
"संयम विहार"
आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास स्थल,
भगवान महावीर यूनिवर्सिटी प्रांगण, VIP रोड-2, वेसु, सूरत, 395007

• आचार्यश्री महाश्रमण •

13 मई 1962 को राजस्थान के एक कस्बे सरदारशहर में जन्मे एवं 5 मई, 1974 को दीक्षित हुए आचार्य महाश्रमण अणुव्रत आंदोलन के प्रवर्तक आचार्य श्री तुलसी एवं आचार्य श्री महाप्रज्ञ की परम्परा में तेरापंथ धर्मसंघ के 11 वें आचार्य के रूप में प्रतिष्ठित हैं। आप निस्पृहता, निर्लिप्तता, निर्विकारता, निश्छलता, तेजस्विता, क्षमाशीलता, दयालुता, सिद्धांतप्रियता, वैचारिक, उदारता के आप दुर्लभ समवाय हैं।

आचार्य श्री महाश्रमण जी जन-जन के कल्याण व राष्ट्रीय चरित्र-निर्माण के लिए पदयात्रा करते हुए सद्भावना, नैतिकता, व्यसन-मुक्ति का संदेश प्रदान करते है। नेपाल, भूटान व भारत के करीब 22 राज्यों का स्पर्श करते हुए अब तक हजारों किलोमीटर से अधिक की पदयात्रा कर चुके है। इस पद यात्रा में आपकी प्रेरणा से लाखों लोग व्यसन मुक्त हुए है। समाज में सद्भावना का वातावरण बना है व नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा मिली है।

• अखण्ड परिव्राजक •

55000 से अधिक कि.मी. की पदयात्रा स्व परकल्याण के लिए।

• सिद्ध साधक •

एक ऐसे महर्षि जिन्हें साधना के लिए न वन चाहिए, न ही आश्रम और एकांत। जिनकी साधना का उद्देश्य ईश्वर को नहीं, अपने आप को पाना है।

• प्रभावी प्रवचनकार •

हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, जैन, बौद्ध आदि विभिन्न धर्मावलम्बियों ने आपके उपदेश को आदर के साथ स्वीकार किया है।

• सृजनशील साहित्यकार •

हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, प्राकृत और राजस्थानी भाषा के आप अधिकृत विद्वान हैं। जैनागमों के सम्पादन का गुरुतर कार्य आपके कुशल नेतृत्व में गतिमान है।

• कुशल समाज सुधारक •

10000000
1 करोड़ से अधिक लोगों ने आपकी प्रेरणा से नशामुक्ति का संकल्प स्वीकार किया।

• दो महापुरुषों की अनुपमेय कृति •

"मैं कहता हूं कि साधु हो तो ऐसा हो।"
आचार्य तुलसी
"मैं अपना सौभाग्य मानता हूं कि मुझे महाश्रमण जैसा उत्तराधिकारी मिला।"
आचार्य महाप्रज्ञ

• कुशल प्रशासक •

800 से अधिक साधु-साध्वी, समण-समणी । 40000 से अधिक युवा कार्यकर्ता 60000 से अधिक कार्यकर्मी महिलाएं 10000 से अधिक प्रोफेशल कार्यकर्ता लाखों अनुयायी

• अणुव्रत अनुशास्ता •

आचार्य श्री महाश्रमण के आध्यात्मिक मार्गदर्शन में अणुव्रत महासमिति और उसकी देश-विदेश में फैली 225 से अधिक शाखाएं, अणुव्रत विश्वभारती, पूरे विश्व में नैतिकता के संदेश को संप्रसारित करने हेतु प्रयासरत हैं।

• प्रेक्षाध्यान •

550000 लोगों ने अब तक इसके प्रयोगों का अभ्यास कर आन्तरिक परिवर्तन का अनुभव किया है। नियमित अभ्यास से और निखरने वाला यह प्रयोग आचार्य महाश्रमण के पथदर्शन में मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध हो रहा है।

• जीवन विज्ञान •

आचार्य श्री महाश्रमण के पवित्र संरक्षण में आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व के निर्माण का महत्वपूर्ण अभियान सिद्ध हो रहा है।

• शिक्षा •

आचार्य श्री महाश्रमण जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के अनुशास्ता के रूप में प्रतिष्ठित हैं। आपके आध्यात्मिक नेतृत्व में 150 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों को संचालन किया जा रहा है।

• निवेदन •

आचार्य श्री महाश्रमणजी अपनी धवल सेना के साथ चातुर्मासिक प्रवास के बाद उपनगरों की पदयात्रा करते हुए पधारेंगे। ऐसे महापुरुष के दर्शन व प्रवचनों से प्रेरणा प्राप्त कर अपने जीवन को सार्थक बनाएँ । अनुरोध...

-: कार्यक्रम :-

- **चातुर्मासिक प्रवेश** - 15 जुलाई 2024 सोमवार- प्रात: 9.00 बजे से
  स्थान- "संयम विहार" आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास स्थल,
  भगवान महावीर यूनिवर्सिटी प्रांगण, VIP रोड-2, वेसु, सूरत, 395007
- **नागरिक अभिनन्दन समारोह** - 16 जुलाई 2024 मंगलवार- प्रात: 9.00 बजे
  स्थान- "संयम विहार" आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास स्थल,
  भगवान महावीर यूनिवर्सिटी प्रांगण, VIP रोड-2, वेसु, सूरत, 395007
- **दीक्षा महोत्सव** - 19 जुलाई 2024 शुक्रवार- प्रात: 9.00 बजे
  स्थान- "संयम विहार" आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास स्थल,
  भगवान महावीर यूनिवर्सिटी प्रांगण, VIP रोड-2, वेसु, सूरत, 395007
- **दीक्षा महोत्सव** - 12 सितम्बर 2024 गुरुवार- प्रात: 9.00 बजे
  स्थान- "संयम विहार" आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास स्थल,
  भगवान महावीर यूनिवर्सिटी प्रांगण, VIP रोड-2, वेसु, सूरत, 395007
- **पर्युषण महापर्व** - 01 सितंबर 2024 से 08 सितंबर 2024, प्रात: 9:00 से 11:30
  स्थान- "संयम विहार" आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास स्थल,
  भगवान महावीर यूनिवर्सिटी प्रांगण, VIP रोड-2, वेसु, सूरत, 395007
- **चातुर्मासिक प्रवास** - 15 जुलाई 2024 से 15 नवंबर 2024, प्रात: 9:30 से 11.30 प्रतिदिन प्रवचन।
  स्थान- "संयम विहार" आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास स्थल,
  भगवान महावीर यूनिवर्सिटी प्रांगण, VIP रोड-2, वेसु, सूरत, 395007

सूरत चातुर्मास 2024

आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति - सूरत

चातुर्मास स्थल :
"संयम विहार" आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास स्थल,
भगवान महावीर यूनिवर्सिटी प्रांगण, VIP रोड-2, वेसु, सूरत, 395007

मुनि समत्व सागर जी ससंघ के सानिध्य में

जनकपुरी में पांच दिवसीय महामहोत्सव के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी - ज्योतिनगर में मुनि समत्व सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में तेरह जुलाई से सत्रह जुलाई तक आयोजित होने वाले पाँच दिवसीय महामहोत्सव के कार्यक्रम के फ्लेक्स/ पोस्टर का विमोचन बुधवार को गायत्रीनगर मन्दिर में किया गया। मन्दिर प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि कार्यक्रम के पोस्टर को मन्दिर जी में मूल नायक भगवान नेमिनाथ के समक्ष अर्पित कर मुनि संघ के सानिध्य में विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के साथ मंत्री देवेंद्र कासलीवाल कोषाध्यक्ष सोभाग अजमेरा सदस्य मिश्री लाल काला, महावीर बिंदायक्य, महिला मंडल अध्यक्ष शकुंतला बिन्दायक्य सहित जनकपुरी के ज्ञान चंद भोंच, राजेंद्र ठोलिया, इंद्र कुमार जैन, राजकुमार बाकलीवाल, मयूख कासलीवाल, नवीन पांड्या, दिलीप चाँदवाड,अंजू बाकलीवाल, विमला बिलाला, सोहनी देवी सौगानी आदि उपस्थित रहे। इस महामहोत्सव में कई धार्मिक आयोजनों के अलावा चौदह जुलाई को मूलनायक तीर्थंकर नेमिनाथ का मोक्ष कल्याणक , व सत्रह जुलाई को मन्दिर जी का स्थापना दिवस भव्य रथ यात्रा के साथ मनाया जायेगा ।विमोचन के अवसर पर कीर्ति नगर के महामंत्री जगदीश जैन , राज जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद ,मन्त्री विनोद कोटखावदा, युवा महा सभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला, सुभाष बज,बापूनगर के मनीष झांझरी आदि की गरिमामय उपस्थिति रही ।

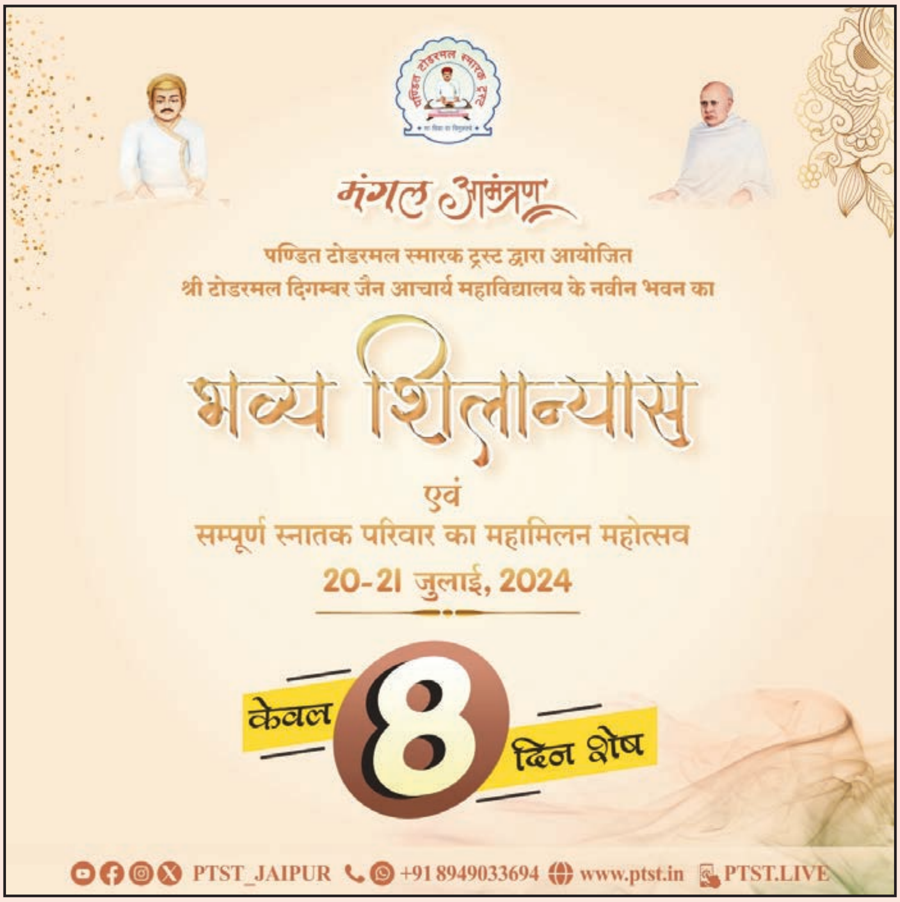

आहारदान की परंपरा कभी बंद मत होने देना: आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी

केशवरायपाटन. शाबाश इंडिया

परम पूजनीय भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 स्वस्ति भूषण माताजी ने अपने मंगल प्रवचन में दान देने की बात कही। माताजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पाँव तो तिर्यंच को भी मिले हैं मनुष्यों के पास तो मात्र 2 पाँव है। तिर्यंच के पास तो 4 पाँव भी हैं। पाँव 10 भी मिल जाते वह महत्वपूर्ण नहीं है महत्वपूर्ण यह है की वह दस पाँव आपको मंजिल की तरफ ले गये क्या? माताजी ने कहा की मंजिल तक ले जाने के लिए 2 पाँव ही काफी है। और मंजिल तक नहीं ले जा सकते तो 10 पाँव भी व्यर्थ हैं। तिर्यंच को पाँव तो इतने सारे मिल गये लेकिन उन्हें हाथ नहीं मिले। और पुरुषार्थ हाथों से होता है अभिषेक हाथो से किया जाता है। पूजा हाथो से की जाती है! वैयावृत्ती हाथों से की जाती है। आहार हाथो से कराया जाता है। ये हाथ वरदान हैं। इन हाथों में पुरुषार्थ करने की सामर्थ है। पाँव तो केवल चलने का काम करते हैं लेकिन तो बहुत सारे कार्य करते हैं । अगर इस जन्म में इन हाथों से अच्छे कार्य नहीं किये तो अगले जन्म में यह हाथ पाँव बन जायेंगे। और यदि इस जन्म अच्छे काम किये तो इससे और मजबूत हाथ मिलेंगे हमे आहार दान अवश्य करना चाहिए! आहार देने का अवसर प्राप्त नहीं हो पा रहा है तो भी आहार दान के लिए रोज दान राशि अवश्य निकालना चाहिए।क्योंकि आहार दान में चारों दान आ जाते हैं। और जैन धर्म की परम्परा तब तक चलेगी जब तक आहार दान चलता रहेगा। उन्होंने कहा जिस दिन आहार दान बंद हो जायेगा उस दिन छटम काल आ जायेगा। इसलिए आहार दान की परम्परा को कभी बंद मत होने देना। चेतन जैन केशवरायपाटन से प्राप्त जानकारी के साथ अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन सोश्यल ग्रुप ग्लोरी ने पियूष सोनी, सुनीता जैन, अनिल जैन का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप ग्लोरी द्वारा पीयूष सोनी जैन, श्रीमती सुनीता जैन , अनिल जैन का एक समारोह में माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। ग्रुप सचिव हेमंत बडजात्या ने बताया कि ग्लोरी ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष पीयूष सोनी जैन को सत्र 2024-25के लिए लायंस क्लब आकाशदीप का अध्यक्ष चुना गया अतः ग्रुप द्वारा उनका साफा पहनाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया ' पीयूष सोनी कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए तथा उनका लायंस क्लब का अध्यक्ष चुना जाना संपूर्ण ग्लोरी ग्रुप के लिए हर्ष का विषय है। कोषाध्यक्ष नयन जैन ने बताया कि समारोह में ग्रुप सदस्य श्रीमती सुनीता जैन धर्मपत्नी अनुज जैन जिन्होंने की अदम्य वीरता और साहस का परिचय देने के लिए सम्मानित किया । उल्लेखनीय हैं कि चेन स्नैचर ने चेन तोड़ने की कोशिश करने पर न केवल उन्होंने अपनी चैन को बचाई , बल्कि उन्होंने स्वयं के साथ-साथ अपने बच्चे तथा चैन की भी सुरक्षा की । कार्यक्रम संयोजक रमेश जैन ने बताया कि समारोह में रोटरी नॉर्थ का अध्यक्ष बनने पर अनिल जैन तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अनिता जैन का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर ग्रुप सदस्य मोनाली पीयूष सोनी जैन, हेमंत स्वेता बड़जात्या सचिव, नयन मोनिका जैन कोषाध्यक्ष, नीरज श्वेता अजमेरा, प्रकाश अंजु जैन, संयुक्त सचिव, अजय ललिता तोड़िया, सुनील शिखा बाकलीवाल, आशीष सुचेता जैन, रमेश पुष्पा जैन, रमेश दीपाली पाटोदी, सौरभ रूबी जैन , अमित रुचिका काला , अर्पित सुरभी जैन , संजय बीना जैन, अखिल राशि जैन, रवि निधि जैन, अनिल अनिता जैन, तथा विमलेश जैन, संजय पाटनी, नवीन काला आदि कई गणमान्य अथिति गण भी शामिल रहे। इस अवसर पर ग्रुप के सभी सम्मानित सदस्य एवं कार्यकारिणी सदस्य तथा पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

गायत्री नगर महारानी फार्म में मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य समाधिस्थ विराग सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य परम पूज्य नवाचार्य, चर्याशिरोमणी विशुध्दसागर जी महाराज के शिष्य परम पूज्य मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज व परम पूज्य मुनि श्री शील सागर जी महाराज ससंघ का 10 जुलाई 2024 को प्रातः 7:00 बजे गायत्री नगर महारानी फार्म दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मंदिर प्रबंध समिति के मंत्री राजेश बोहरा के अनुसार मुनि श्री जय जवान कॉलोनी जैन मंदिर से पद विहार कर बैंड बाजों के साथ विभिन्न मार्गो से होते हुए मंदिर जी में पहुंचे जहां मंदिर प्रबंध समिति ने भव्य अगुवाई की, मंदिर जी में मुनि श्री ने दर्शन कर शांति धारा अपने मुखारविंद से कराई। प्रातः 8:15 बजे तलघर में विशाल धर्म सभा मंगलाचरण श्रीमती सुनन्दा जैन ने किया। पूज्य मुनि श्री के मंगल प्रवचन से पूर्व कैलाश -मधु छावड़ा परिवार ने दीप प्रज्जवलन, शास्त्र भेंट, पाद प्रक्षालन किया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि इस अवसर पर मुनि श्री ने अपने मंगल प्रवचन में जैन धर्म के तत्व व कर्म सिध्दांत पर सारगर्भित प्रवचन किया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी कीर्ति नगर से जगदीश जैन, राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष वैद ,राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला, धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला, राजस्थान जैन सभा के सुभाष बज एवं विभिन्न संस्थाओं व कालोनियों के पदाधिकारी , गणमान्य लोग व स्थानीय समाज के श्रावक-श्राविका, श्रेष्ठीगण उपस्थित थे। मुनिश्री ने दोपहर को स्वाध्याय व 6:30 से 7.30 बजे तक जिज्ञासा समाधान किया ।
सभा का संचालन अरुण शाह द्वारा किया गया।

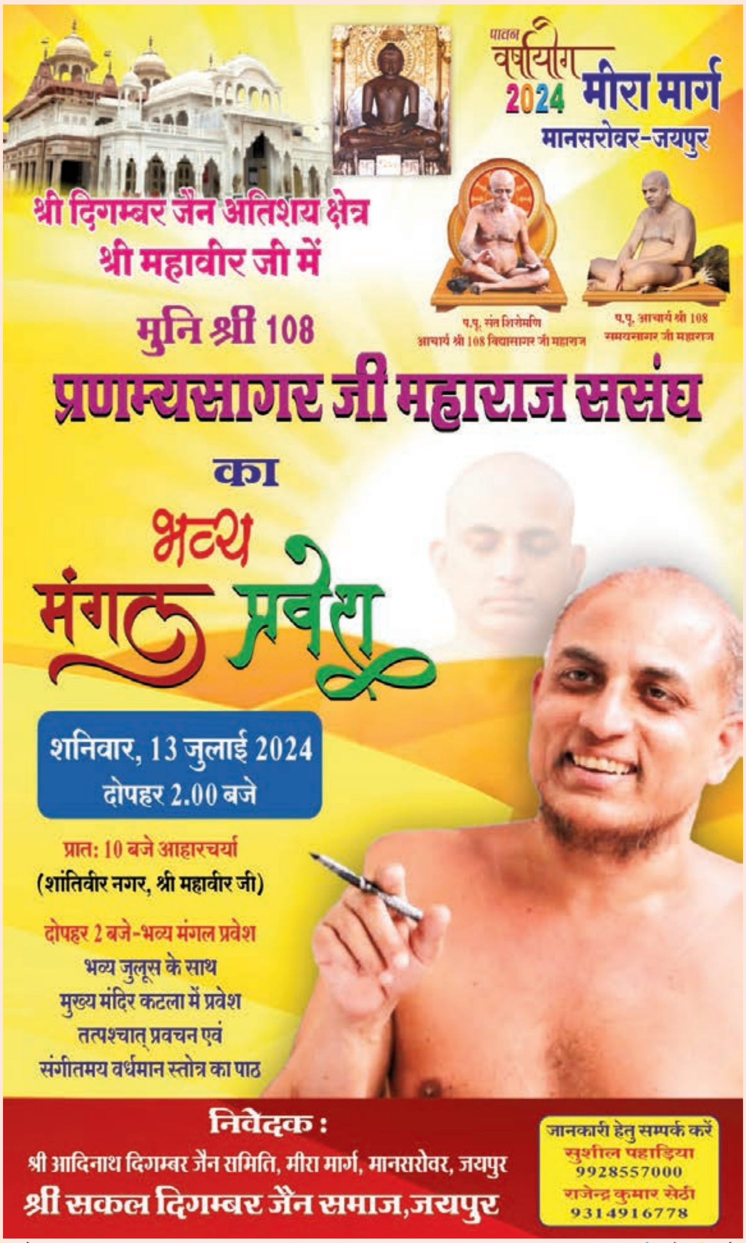

झोटवाडा दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य श्री विद्यासागर जी का दीक्षा दिवस मनाया

आचार्य 108 श्री शशांक सागर जी के सानिध्य में आचार्य परमेंष्टि विधान किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। झोटवाडा जैन समाज ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी गुरुदेव के दीक्षा दिवस पर आचार्य परमेंष्टि पूजन विधान का किया आयोजन आचार्य 108 श्री शशांक सागर जी गुरुदेव के सानिध्य में भक्ति भाव से किया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, झोटवाड़ा, जयपुर में गुरुवार दिनांक 11 जुलाई 2024 आषाढ़ शुक्ला पंचमी को आचार्य श्री विद्यासागर जी गुरुदेव की दीक्षा दिवस के शुभ अवसर पर आचार्य श्री शशांक सागर जी गुरुदेव ससंघ के सानिध्य में प्रातः 7.00 बजे से आचार्य परमेष्ठी विधान का आयोजन बड़े ही भक्ति भाव के साथ किया गया। समाज के सदस्यों ने विधान में सम्मिलित होकर पुण्यार्जन कर धर्म लाभ अर्जित किया ।

जाने माने मर्म चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. पीयूष त्रिवेदी ने वृक्षारोपण कर मनाया जन्मदिन

जयपुर. शाबश इंडिया

जाने माने मर्म चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ पीयूष त्रिवेदी ने आज जयपुर के विशिष्ट जनों के साथ अपना जन्मदिन वृक्षारोपण कर मनाया। इस अवसर पर महावीर प्रसाद शर्मा प्रमुख सचिव राजस्थान विधानसभा, डॉ गोविन्द पारीक डी पी आर , डॉ दिनेश कुमार शर्मा सहायक निदेशक आयुर्वेद, डॉ कैलाश चन्द्र शर्मा विधानसभा , डॉ. शिल्पा, एडवोकेट शिवांगी, डॉ. के. पी. सिंह, डॉ. रंगनाथ शर्मा, डॉ रविप्रकाश पीपलीवाल , भरत सिंह बांगड़, निशान्त भारद्वाज, उदय सिंह राधव, बजरंग सिंह शेखावत, प्रभाती लाल सैनी, कमलेश शर्मा, रोहिताश कुमार, चंद्र शेखर त्रिशूल राष्ट्रीय कवि एवम्-संपादक ने गांधी नगर स्थित आवास पहुंचकर डॉ त्रिवेदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए वृक्षारोपण किया ।

गुरु मां नंदीश्वरमति माताजी ने नावां सिटी के लिए किया विहार

मीठड़ी जैन समाज बंधुओ ने गुरु मां को दी भावभीनी विदाई, नावा जैन समाज अध्यक्ष नवीन गोधा व मंत्री रमेशचंद झाझरी के नेतृत्व में समाज बंधुओ ने किया माताजी को श्रीफल भेंट

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावा सिटी । उपखंड मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम मीठड़ी कस्बे के बस स्टैंड पर स्थित दिगम्बर जैन मंदिर से गुरु मां नंदीश्वरमति माताजी ने शाम छः बजे ससंघ नावां के लिए विहार किया। मीठड़ी जैन समाजबंधुओ ने विधिवत पूजा अर्चना कर अर्घ समर्पित किया। इस दौरान नावा जैन समाज अध्यक्ष नवीन गोधा व मंत्री रमेश चंद झाझरी के नेतृत्व में समाज के गणमान्य नागरिकों व महिलाओं द्वारा गुरु मां को श्रीफल भेंट किया गया ' मीठड़ी जैन समाज बंधुओ द्वारा गुरु मां नंदीश्वरमती माताजी को भावभीनी विदाई देते हुए कस्बे के बाहर बाईपास तक विदा कर आशीर्वाद लिया ' माताजी रात्री विश्राम खारड़िया के नाकोड़ा साल्ट में करेगे। गुरुवार को प्रातः 5:30 बजे नावां के लिए विहार करेगे। इस दौरान महावीर प्रसाद गंगवाल,पारसमल गंगवाल, राजमल गंगवाल, प्रकाश चंद गंगवाल, रिखबचंद गंगवाल, दीपक गंगवाल, सनमति गंगवाल, नरेन्द्र गंगवाल, शुभम गंगवाल, संजय कुमार पाटोदी, स्वरूपचंद पाटोदी, पारसमल गंगवाल, महेंद्र कुमार पाटोदी,निर्मल जैन, नावा जैन समाज नागौरी गौठ अध्यक्ष नवीन गोधा,मंत्री रमेशचंद झाझरी, विनोद पाटौदी गुढा साल्ट वाले, दिनेश झाझरी, अशोक शाह, पंकज अजमेरा, मनोज गंगवाल, हनी झाझरी, मनीष गोधा, अक्षय काला, आशीष भूनी वाले, नवीन झाझरी आदि समाज बंधु सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति मौजूद रही।

पानी और वाणी को छानकर ही ग्रहण करना चाहिए: उपाध्याय मुनी श्री उर्जयंत सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। तिलक नगर जयपुर में चल रहे प्रवास के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शनार्थियों को संबोधित करते हुए महाराज ऊर्जयंत सागर ने कहा कि पानी और वाणी दोनों को ही छानकर ग्रहण करना चाहिए। वाणी यानी शब्दों से आप किसी का भी दिल जीत सकते हैं, चाकू व तलवार के घाव भर जाते हैं पर वाणी यानी शब्दों से जो घाव उत्पन्न होते हैं वो कभी नहीं भरते हैं। इसलिए हमेशा सबके लिए अच्छा सोचना चाहिए और जो भाषा हम हमारे लिए सुनना चाहते चाहते हैं मीठी वैसे ही वाणी ही बोलनी चाहिए इसी में मानव का कल्याण है। प्रवक्ता विकास बैराठी ने बताया कि महाराज श्री का विहार गुरुवार को प्रातः 6:00 बजे जय जवान कॉलोनी के लिए होगा।